Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 22 March 2020
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-11 Issue - 42

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि सरकार तीन महीने का राशन अडवांस में देगी। देश के 80 करोड़ लोगों को राशन मिलेगा। किसी जरूरी सामान की कमी नहीं होने दी जाएगी।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2 लॉक डाउन से आवश्यक सेवाओं के अलावा सभी...

पेज नंबर 5 Two more test positive for corona in UP, count ...

TIRUPATI EYE

सभी सुधी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं
संपादक

हेल्प लाइन नंबर

विदेश से यात्र कर लौटने वाले व्यक्ति की सूचना दें
0120–4186453

मास्क और सैनिटाइजर कालाबाजारी की सूचना दें
0120–2829040

जरूरी सामान की दुकान बंद कराए या मीडियाकर्मी को रोके तो सूचना दें
9454403434

कोरोना वायरस के सैंपल लेने के लिए जिला एमएमजी अस्पताल स्थित कंट्रोल रूम का नंबर
07011477836

संयुक्त जिला अस्पताल में स्थापित कंट्रोल रूम
0120–2783098

पासपोर्ट कार्यालय व पीएसके 31 तक बंद

गाजियाबाद : कोरोना वायरस को लेकर लॉक डाउन के चलते क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय व सभी जिलों के पासपोर्ट सेवा केंद्र 31 मार्च तक बंद कर दिए गए हैं। अब 31 मार्च तक पासपोर्ट संबंधी कोई भी काम नहीं होगा। मंत्रालय से आदेश जारी होने के बाद क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने इस संबंध में घोषणा कर दी है। यह आदेश सोमवार से लागू कर दिए गए हैं। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अंतर्गत 12 पासपोर्ट सेवा केंद्र आते हैं। इनमें आगरा, अलीगढ़, मेरठ, नोएडा, बुलंदशहर, वृंदावन, सहानरपुर, मुजफ्फरनगर, बागपत, हाथरस, अछनेरा व साहिबाबाद हैं।

लॉकडाउन का समर्थन कर संकल्प और संयम का दें परिचय : डॉ.धीरज भार्गव

रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के चेयरमैन डा.धीरज भार्गव ने लोगों से की अपील

गाजियाबाद : रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के चेयरमैन डॉ. धीरज कुमार भार्गव ने देश में बढ़ रहे कोरोना वायरस के संक्रमित मामलों को लेकर लोगों से अपील की है कि वे 21 दिन तक लॉकडाउन का समर्थन कर संकल्प और संयम का परिचय दें। इस दौरान घर पर ही रहें। बेवजह घर से बाहर न निकलें। क्योंकि कोरोना वायरस ने इस समय पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है।

डा.भार्गव ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए सबसे ज्यादा आवश्यकता संकल्प और संयम की है। हमें इस महामारी पर विजय पाना है। इसलिए अपने आप पर नियंत्रण रखते हुए जब तक आवश्यकता हो घर में स्वयं को कैद रखना तथा स्वास्थ्य विभाग की एडवायजरी का पालन करते रहना है। देश के कुछ लोग ऐसा करें और कुछ न करें तो फिर

डा.धीरज कुमार भार्गव, चेयरमैन, आरएचएएम

खतरा दूर नहीं हो सकता। निसंदेह हमारे यहां अभी कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या अन्य कई देशों की तुलना में कम है, लेकिन इसकी गारंटी नहीं है कि यह विस्फोटित नहीं होगा। अपने को सबसे अलग कर लेना है। यह नहीं मान लेना चाहिए कि हमने एक दिन अपने को बंद रखा और हमारी जिम्मेदारी खत्म। आगे का समय ज्यादा परेशानियां उठाने का हो सकता है। मसलन रेलवे ने भी 31 मार्च तक सभी गाड़ियां रद कर दी है। बस व मेट्रो का भी परिचालन बंद हो गया है। आप कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के फैलाव और उसके भयावह प्रकोप का थोड़ी भी गहराई से अध्ययन करेंगे तो निष्कर्ष यही आएगा कि जिन देशों ने लोगों को मिलने–जुलने, आवागमन को रोकने के सख्त कदम नहीं उठाए वे ज्यादा पीड़ित है। आरंभ में चीन ने यही किया था। उसने तो नवंबर में कोरोना के मरीज सामने आने के बावजूद उसकी अनदेखी की और खतरे की घंटी बजाने वाले डाक्टर तक को उत्पीड़ित किया। बाद में स्थिति नियंत्रण से बाहर निकल गई तो वुहान और आसपास के कई करोड़ लोगों को करीब डेढ़ महीने तक घरों में कैद रहने के लिए विवश होना पड़ा। आदेशों का पालन न करने पर सजा घोषित कर दी। बावजूद उसके अपने आंकड़ों के अनुसार 3200 से ज्यादा लोग मारे गए। कर्फ्यू को सफल बनाने के लिए शहर ही नहीं गांवों तक में लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर स्वयं को घर में कैद रखकर कोरोना वायरस से लड़ने का मन बना लिया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार अब तक भारत में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 562 हो गई है। इनमें से 519 लोग भारतीय है और 43 लोग विदेश के है। मरने वालों की संख्या 9 हो गई है। दिल्ली में जिस दूसरे व्यक्ति की मौत हुई थी उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। अभी तक 40 लोग ठीक हो चुके है। डा. भार्गव ने लोगों से अपील की कि हमें कोरोना को भारत से भगाना है। इसलिए लॉकडाउन का पालन करते हुए घर में कैद रहें। यदि हम अब नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी और चीन की तरह देश कई साल पीछे चला जाएगा।

मीडियाकर्मी को पुलिसकर्मी रोकें तो 9454403434 पर करें कॉल

गाजियाबाद : लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तु के संस्थान, बैंक, एटीएम के साथ मीडिया संस्थान को भी खुले रहने वालों की श्रेणी में रखा गया है। इसके बाद भी मीडियाकर्मियों को कुछ जगहों पर रोका गया। कई जगह पर कार्ड दिखाने के बाद भी पुलिसकर्मी उन्हें जाने की अनुमति नहीं दे रहे थे। एसएसपी ने बताया कि वायरलेस सेट से मीडियाकर्मियों को न रोकने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद भी यदि मीडियाकर्मी को रोका जाता है तो 9454403434 पर कॉल या व्हाट्सएप कर सूचना दें। उन्हें तुरंत मदद मिलेगी। रविवार को जनता कर्फ्यू के दिन भी कुछ राशन की दुकानें पुलिस ने बंद कराई थीं। इसकी सूचना मिली तो एसएसपी ने यही हेल्पलाइन नंबर जारी किया था। एसएसपी के मुताबिक आवश्यक वस्तु राशन, दूध, सब्जी या मेडिकल स्टोर बंद कराने को कोई पुलिसकर्मी कहता है या अन्य लोग इन दुकानों को खोलने में बाधा पहुंचाते है तो इसकी सूचना भी इसी नंबर पर दी जा सकती है। साथ ही अफवाह फैलाने वालों की शिकायत भी इस नंबर के माध्यम से की जा सकती है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए ही लॉकडाउन किया गया है। इसमें सहयोग करें और बेवजह घर से बाहर न निकलें।

Savings drying up, we could die of hunger, say migrant labourers

Ghaziabad: With a lockdown ensuring all industries are closed, migrant labourers working in construction sector in Noida and Ghaziabad are in despair. Confined to their make-shift homes in colonies built around construction sites, their savings are drying up and there is no prospect of income in sight in the foreseeable future. They say that with movement restricted and no word from administration about alleviating them from their plight, their families are staring at hunger. "We are actually faced with a situation where our families could go hungry if situation prevails for few more days. Our savings are getting used up and there are not many options left for us," said Vidyut Rao, 25, a labourer who lives with his wife and two children in a tin shade at a construction site in Noida Sector 135. "I can't go back to our home town as trains are not running," said Rao, who hails from West Bengal. A few houses away, Amjad Ali, 30, also has a family of four that depends on his daily earnings. "We use small LPG cylinders and every week, it requires refilling that is done at a local shop. With movement restricted and no money, it would be difficult for us to continue this way."

जिले में लॉक डाउन से आवश्यक सेवाओं के अलावा सभी गतिविधियों पर रोक

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के चलते जिले में लॉक डाउन जारी होने के बाद जिले में सिर्फ आवश्यक सेवाओं को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा जिले में हर प्रकार की गतिविधियों पर रोक रहेगी। लॉक डाउन जारी रहने तक आम जन का सरकारी कार्यालयों में प्रवेश वर्जित किया गया है। इस दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों को छोड़कर अन्य व्यक्ति सरकारी कार्यालयों में प्रवेश नहीं कर सकेगा। जिलाधिकारी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। जिले में लॉक डाउन होने के बाद सोमवार को डीएम व एसएसपी ने जिले में विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को लॉक डाउन का पूरा पालन कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि लॉक डाउन जारी होने के बाद 25 अप्रैल तक जिले में आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान, अर्धसरकारी उपक्रम, स्वायत्तशासी संस्थाएं, राजकीय निगम, मंडल व सभी व्यापारी प्रतिष्ठान, निजी कार्यालय, माल्स, दुकानें, फैक्ट्रियां, वर्कशॉप, गोदाम व सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पूर्ण रूप से बंद रहेगी। इस दौरान सभी सरकारी कार्यालयों में आमजन के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। आवश्यक सेवाओं वाले विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों को छोड़कर अन्य सरकारी अधिकारी व कर्मचारी घर से कार्य कर सकेंगे।

इन्हें रखा गया है आवश्यक सेवाओं में : चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, कारागार प्रशासन, पुलिस, सशस्त्र बल, अर्धसैनिक बल, कार्मिक विभाग एवं जिला प्रशासन, ऊर्जा (सभी बिजली के कार्यालय व बिड़क्षलग सेन्टर), नगर विकास, खाद्य एवं रसद (फल, सब्जी, दूध, डेयरी, किराना, पेयजल), आपदा एव राहत, राज्य संपत्ति विभाग, सूचना, जनसंपर्क एवं सूचना प्रौद्योगिकी, अग्निशमन, सिविल डिफेंस, आपात कालीन सेवाएं, टेलीफोन, इंटरनेटर, डेटा सेंटर, नेटवर्क सर्विसेज, आइटी इनेबिल्ड सर्विसेज एवं आइटी संबंधित सेवाएं, ऐसे डेटा सेंटर जो आइटी सर्विसेज के संचालन के लिए आवश्यक है, डाक सेवाएं, बैंक, एटीएम, बीमा कंपनियां, ई–कामर्स (खाद्य वस्तु, होम डिलवरी, ग्रॉसरी), प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया, पेट्रोल पंप, एलपीजी गैस, आयल एजेंसी (इनसे संबंधित गोदाम एवं परिवहन के साधन), दवा की दुकान, चिकित्सकीय उपकरण, सामग्री एवं दवाईयो की निर्माण इकाईयां, आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन, खाद्य सामग्री, कृषि उत्पाद एवं उनसे संबंधित निर्माण इकाईयां एवं उनके थोक एवं फुटकर विक्रेता, पशु चिकित्सा एवं पशु आहार से संबंधित इकाईयां एवं विक्रेता।

जीडीए ने टाली नीलामी

गाजियाबाद : जीडीए बाहरी लोगों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है। सोमवार को जीडीए वीसी, सचिव और कुछ अधिकारी ही जरूरी काम के लिए पहुंचे। इन्होंने मंथन के बाद 25 मार्च को होने वाली 17 सामुदायिक केंद्रों की नीलामी टालने का निर्णय लिया गया। साथ ही 28 मार्च को प्रस्तावित मधुबन डिस्ट्रिक्ट सेंटर की दुकानों के प्लॉट और इंद्रप्रस्थ योजना की पॉकेट–बी के औद्योगिक प्लॉटों की नीलामी को भी टाल दी गई है। जीडीए के अधिकारियों ने बताया कि बकाएदारों को ओटीएस का ऑनलाइन आवेदन करने के लिए कह दिया गया है। उनके आवेदन ऑफलाइन संभव नहीं हो पाएंगे।

कोरोना से जंग : 600 पुलिसकर्मी कर रहे हैं वर्क फ्रॉम होम

गाजियाबाद : कोरोना वायरस से जंग में पुलिस विभाग भी बखूबी अपनी भूमिका निभा रहा है। थानों की सफाई के लिए करीब सवा सात लाख रुपये का बजट जारी करने के साथ ही सैनिटाइजर व मास्क का वितरण कराने के साथ ही वर्क फ्रॉम होम भी लागू कर दिया गया है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि करीब 600 पुलिसकर्मी घर से काम कर रहे हैं। कार्यालय व विवेचनाओं की फाइल ले जाकर पुलिसकर्मियों को घर से ही काम करने का निर्देश दिया है। कानून–व्यवस्था सुचारू रखने के लिए सड़क पर रहने वाले पुलिस विभाग के बारे में ऐसा माना जाता है कि इनका काम घर रहकर नहीं हो सकता। लॉकडाउन का पालन सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर की पुलिस सड़क पर ही है। मगर इनमें से कुछ लोग वर्क फ्रॉम होम यानी विभागीय कार्य घर से ही पूरा कर रहे हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि पुलिस विभाग के लोगों को घर से कार्य की अनुमति मिली है। एसएसपी का कहना है कि कोरोना का संक्रमण रोकने के लिए जरूरी है कि कम से कम लोग बाहर निकलें। इसीलिए क्राइम ब्रांच समेत सभी टीम, पुलिस कार्यालय के तमाम विभाग और पुलिस लाइंस के साथ थानों की विवेचना सेल के कुछ पुलिसकर्मियों को घर से कार्य करने की सलाह दी गई

चार हजार लोगों का राशन आरपीएफ थाने में कैद

गाजियाबाद : कोरोना के बढ़ते कदम थामने के लिए किए गए लॉकडाउन के साथ ही मुख्यमंत्री ने एक तरफ मजदूरों को अतिरिक्त गेहूं और चावल वितरण की घोषणा की है। वहीं दूसरी तरफ करीब चार हजार लोगों में बंटने वाला गेहूं आरपीएफ थाने में कैद हो गया है। राशन डीलर, आपूर्ति निरीक्षक और जिला आपूर्ति अधिकारी तक इस राशन के गेहूं को छुड़वाने के लिए पांच दिन से आरपीएफ थाने के चक्कर लगा रहे हैं। अब जिला आपूर्ति अधिकारी अभिनव सिंह ने आरपीएफ इंस्पेक्टर को लिखे पत्र में गेहूं को रिलीज करने का अनुरोध किया है। उस पत्र में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 का हवाला देते हुए लिखा गया है कि राशन की दुकान पर समय से गेहूं नहीं पहुंचा तो खाद्य सुरक्षा चक्र टूट जाएगा। पत्र के मुताबिक 19 मार्च को प्रताप विहार के उचित दर विक्रेता सुरेंद्र सिंह ट्रैक्टर ट्रॉली में लोहा मंडी स्थित सरकारी गोदाम से अप्रैल के कोटे का 90 बोरी गेहूं लेकर चिपियाना रेलवे फाटक से प्रताप विहार जा रहे थे। ट्रैक्टर नियंत्रण बिगडने पर रेलवे से टकरा गया। इससे फाटक टूट गया। चौकीदार की सूचना पर पहुंची आरपीएफ चालक, ट्रैक्टर ट्रॉली और गेहूं को थाने ले गई। रिपोर्ट दर्ज करते हुए चालक को जेल भेज दिया गया। गेहूं आरपीएफ ने जब्त कर अपने कब्जे में रखा हुआ है। अब राशन डीलर गेहूं छुड़वाने के लिए घूम रहा है। गेहूं से भरे बोरे खुले में पड़े हैं। बारिश होने पर गेहूं के खराब होने की आशंका है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी अभिनव सिंह का कहना है कि विधिक तरीके से गेहूं को रिलीज करवाने के लिए उश्च अफसरों को पत्र लिखा गया है। उक्त राशन की दुकान से जुडे करीब चार हजार राशन कार्ड धारक है। यह गेहूं पांच से 27 अप्रैल तक बांटा जाना है। आरपीएफ इंस्पेक्टर पीकेजी ए नायडू का कहना है कि रिपोर्ट में गेहूं दर्ज है। पुलिस जांच चल रही है। कोर्ट से ही गेहूं को छोड़ जाने के आदेश होने पर ही गेहूं रिलीज किया जाएगा।

डासना जेल में क्षमता से करीब तीन गुना अधिक हैं बंदी

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बंदियों को पैरोल पर छोडने का सुझाव दिया है। राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि छोड़े जाने वाले बंदियों को चिह्नित करने के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की जाए। कहा कि सात साल तक की सजा पाए बंदियों पैरोल दी जा सकती है। डासना स्थित जिला कारागार की बात करें तो यहां क्षमता से करीब तीन गुना लोग कैद हैं। ऐसे में यहां संक्रमण का खतरा अधिक है। हालांकि जेल प्रशासन की माने तो कोरोना के लक्षण अभी तक एक भी कैदी में नहीं है और सभी स्वस्थ व सुरक्षित हैं। डासना जिला कारागार अधीक्षक विपिन मिश्रा ने बताया कि

कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए जेल में पुख्ता इंतजाम है। 31 मार्च तक मुलाकात पर पाबंदी है। बंदी खुद मास्क बना रहे हैं। सैनिटाइजर व हैंडवॉश भी रखवाया गया है। जेल को सैनिटाइज कराया जा चुका है। रेडियो से रोजाना दो बार बंदियों को जागरूक किया जा रहा है। चिकित्सा टीम हर बंदी के स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है। अभी तक एक भी बंदी में कोरोना का कोई लक्षण नहीं पाया गया है।

4–6 सप्ताह की पैरोल दी जा सकती है

एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को कोर्ट ने कहा कि सभी जेलों में क्षमता से अधिक लोग कैद हैं। अधिक लोग होने से संक्रमण तेजी से फैल सकता है। इसे कम करने के लिए कुछ बंदियों को छोड़ा जा सकता है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि सात साल या इससे कम की सजा पाए बंदियों को 4–6 सप्ताह की पैरोल दी जा सकती है। डासना स्थित जिला कारागार में 1750 कैदियों की क्षमता है, लेकिन सोमवार के दिन यहां बंद लोगों की संख्या 4733 थी।

डासना जेल के नहीं बदलेंगे हालात

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर यदि कुछ बंदी छोड़ भी दिए जाएं तब भी डासना जेल के हालात में अधिक बदलाव नहीं आएगा। दरअसल 4733 बंदियों में से सिर्फ 748 ही सजायाफ्ता हैं। सजा पाने वालों में दो आतंकवादियों समेत 693 पुरुष, 53 महिला, 11 किशोर और एक किन्नर शामिल है। यदि सात साल या इससे कम सजा पाने वालों को चिह्नित करें तो करीब इनकी संख्या बमुश्किल 350–400 के बीच होगी। इन्हें पैरोल देने पर भी जेल में क्षमता से ढाई गुना बंदी रहेंगे।

पुलिसकर्मियों को पिलाई चाय व पानी

गाजियाबाद : लॉकडाउन के दिन शहर में तैनात पुलिसकर्मियों को कई स्थान पर पीने का पानी भी नहीं मिला। कई लोगों ने ड्यूटी कर रहे जवानों को पानी व चाय मुहैय्या कराई। विजयनगर क्षेत्र गौ माता सेवा संस्थान की टीम ने अलग–अलग स्थान पर जाकर पुलिसकर्मियों पीने का पानी दिया। संस्थान के पदाधिकारी अंकुर ने पानी का वितरण करने वाली टीम को मास्क, ग्लव्स व सैनिटाइजर दिया गया था। हर एक व्यक्ति अलग–अलग चलकर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों को पानी पिला रहा था। इसके अलावा कई सोसायटियों के लोगों ने भी बाहर रोड पर तैनात पुलिसकर्मियों को पानी व चाय दी।

लॉकडाउन में बाधा बने 200 लोगों पर एफआईआर व 1440 वाहनों के काटे चालान

गाजियाबाद : लॉकडाउन की घोषणा होते ही रविवार आधी रात के बाद से ही जिले की सीमाएं सील कर दी गईं। मगर पहले दिन ही इसका असर मामूली रहा। जनता कर्फ्यू के मुकाबले लॉकडाउन के प्रति कुछ लोग गंभीर नहीं दिखे। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई का डंडा चला। लॉकडाउन में बाधा बने लोगों के खिलाफ जिले के सभी थानों में 70 एफआइआर दर्ज की गईं। 200 लोगों को नामजद किया गया। साथ ही 1440 वाहनों के खिलाफ चालान व सीज की कार्रवाई की गई। शाम चार बजे तक हुई कार्रवाई का असर दिखा और फिर सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा। जनता कर्फ्यू के दिन रविवार को शहर समेत पूरे गाजियाबाद में सन्नाटा पसरा रहा। कहीं इक्का–दुक्का लोग या वाहन ही दिख रहे थे। मगर अधिकांश समय नेशनल हाईवे समेत सभी प्रमुख मार्ग खाली पड़े रहे। रविवार को ही 23–25 मार्च के बीच लॉकडाउन की घोषणा कर दी गई थी। इसके बावजूद सोमवार को बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकले। अन्य वस्तुओं की कई दुकाने भी खुलीं। शहर में हलचल की सूचना पर एसएसपी कलानिधि नैथानी ने वायरलेस सेट से आदेश दिया कि 12 बजे तक हर हालत में लॉकडाउन का पालन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही इसमें बाधा बनने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही। खुद डीएम व एसएसपी भी सड़क पर उतरे और जगह–जगह जाकर रोड का जायजा लिया। लोगों के नहीं मानने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने शुरु किए। साथ ही प्रमुख मार्गों पर बैरिकेड्सडग कर रास्ता बंद किया। इलेकक्ट्रिकल्स, पूजा सामग्री व ढाबे आदि की करीब 100 दुकाने पूरे जिले में बंद कराई गईं।

पैदल तय किया सफर

सोमवार सुबह एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग बैग लेकर आटो व बस स्टैंड पर पहुंचे। मौजूदा हालातों को देखते हुए दिहाड़ी मजदूर व रिक्शा आदि चलाने वाले अपने गांव लौटना चाहते थे। इसके अलावा कुछ लोग जरूरी काम के लिए भी बाहर निकले, लेकिन उन्हें सार्वजनिक परिवहन का साधन नहीं मिला। लॉकडाउन के चलते सड़क पर बस, आटो या रिक्शा नहीं दिखा। इस कारण कुछ लोगों ने लिफ्ट मांगी तो गैरजनपद जाने वालों को लौटना पड़ा। कुछ लोग पैदल ही सफर करते नजर आए।

श्रमिकों को किया जाएगा सात वर्गों में चिह्नित

गाजियाबाद : नगर निगम की तरफ से शहर में रोज कमाने व खाने वाले लोगों को सात वर्गों में चिह्नित किया जाएगा। नगर आयुक्त ने इसके लिए डूडा के परियोजना अधिकारी को निर्देश दिए है। चिहिंत होने के बाद इनको राशन उपलब्ध कराया जाएगा। नगर आयुक्त दिनेश चंद्र ने बताया कि दैनिक रूप से काम करने वाले प्रभावित मजदूरों आदि के भरण पोषण के लिए उन्हें चिहिंत किया जाएगा। ऐसे स्ट्रीट वेंडर, रिक्शा चालक, साप्ताहिक बाजार लगाने वाले घुमंतू प्रकृति श्रमिक आदि को भी चिहिंत किया जाएगा। मगर इनका यह पता नहीं है कि ये श्रम विभाग में पंजीकृत है या नहीं और इनके पास राशन कार्ड है या नहीं।

प्रशासन ने परफ्यूम के स्थान पर कंपनियों को दिए सैनिटाइजर बनाने के निर्देश

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के चलते जिले में सैनिटाइजर की बढ़ती मांग पर प्रशासन ने सैनिटाइजर का उत्पादन बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रशासन ने सैनिटाइजर बनाने के लिए नए लाइसेंस जारी किए हैं। इसके साथ ही जिले की जिन कंपनियों में अभी तक परफ्यूम बनाया जा रहा था, उन्हें अब सैनिटाइजर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सैनिटाइजन व मास्क की कालाबाजारी रोकने के लिए मजिस्ट्रेटों ने सोमवार को जिले में कई स्थानों पर कार्रवाई की। इस दौरान ब्लैक में बेचे जा रहे सैनिटाजर व मास्क के चलते विक्रेताओं पर जुर्माना लगाया गया। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि कोरोना वायरस से पहले मास्क व सैनिटाइजर की मांग काफी कम थी लेकिन पिछले कुछ दिनों में इनकी मांग अधिक हो गई है। इसके चलते इनका उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न निर्णय लिए गए हैं। इसके अलावा मास्क व सैनिटाइजर की कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए मजिस्ट्रेट व इंस्पेक्टर आम ग्राहक बनकर विभिन्न दुकानों पर पहुंचे और छापेमारी की। सिटी मजिस्ट्रेट शिव प्रताप शुक्ला के नेतृत्व में टीम ने क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित अपोलो फार्मेसी पर जांच की, यहां संचालक द्वारा 202 रुपये कीमित का मास्क 245 रुपये में बेचा जा रहा था। इस पर सिटी मजिस्ट्रेट ने संचालक पर आठ हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा खोड़ा में एसडीएम सदर आदित्य प्रजापति ने भी आम ग्राहक बनकर कई मेडिकल स्टोरों की जांच की।

सैनिटाइजर के उत्पादन को जारी किए निर्णय

– मोदी मुडी फार्मा जो कास्मेटिक परफ्यूम का निर्माण करती है, उसे परफ्यूम के निर्माण के स्थान पर सैनिटाइजर उत्पादन के निर्देश दिए गए हैं। जिस एल्कोहल से कॉस्मैटिक परफ्यूम का निर्माण होता है, उसी से सैनिटाइजर बनता है।

– प्रतिदिन इनके द्वारा कितनी मात्रा में सैनिटाइजर का निर्माण करके किन–किन थोक विक्रेताओं को और रिटेलरों को उपलब्ध कराया गया है, इसका ब्यौरा रखने के लिए औषधि निरीक्षक को निर्देश दिए गए हैं।

– गोडजे लैबोरेट्री ट्रोनिका सिटी, केमिटेक फार्मासुटीकल मेरठ रोड, मोदीनगर रेवलॉन मोदीनगर, इन इकाईयों को सैनिटाइजर निर्माण का लाईसेंस जारी किया गया है। रेवलॉन, मोदीनगर ने सैनिटाइजर का उत्पादन शुरू कर दिया है।

– इसी प्रकार जिले के सैनिटाइजर और फेस मास्क डिस्ट्रीब्यूटर जिनकी संख्या सात है, उन्हें भी इसकी आपूर्ति को बढ़ाने का निर्देश दिए गए हैं और किन–किन थोक विक्रेताओं को फेस मास्क कितनी–कितनी मात्रा में उपलब्ध कराए जा रहे है, इसका ब्यौरा औषधि विभाग को उपलब्ध कराया जाए।

कोरोना संदिग्ध के घर के बाहर लगेगा स्टीकर

गाजियाबाद : प्रशासन अब कोरोना संदिग्धों के घर के बाहर स्टीकर लगवाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि जिन्हें निगरानी में रखा जाएगा उनके घर के बाहर होम अंडर क्वारंटाइन का स्टीकर लगेगा। इसका उद्देश्य है कि लोग उनके घर जाने से बचें। पड़ोसी सावधानी बरतें। जिनकी निगरानी का 28 दिन का वक्त पूरा हो जाएगा, उनके घर पुराना स्टीकर हटाकर होम क्वारंटाइन कंपलीटिड का स्टीकर लगा दिया जाएगा। विदेश से लौटे व्यक्तियों की निगरानी स्वास्थ्य विभाग की रैपिड रेस्पांस टीम कर रही है। इन्हें कोरोना संदिग्ध मानकर होम क्वारंटाइन में रखा जा रहा है। इन लोगों को घर से बाहर निकलने की इजात नहीं है कोशिश की जा रही है कि इन लोगों के घर किसी को आने न दिया जाए। विभाग अपनी तरफ से पूरी तरह सतर्कता बरत रहा है। फिर भी शहर के विभिन्न इलाकों की ग्रुप हाउसिंग सोसायटी की आरडब्ल्यूए और फ्लैट ओनर्स क्वारंटाइन में रखे गए सदिग्धों की कंट्रोल रूम पर फोन करके शिकायतें कर रहे हैं। उन्हें यह बताने के लिए होम क्वारंटाइन में रखे गए व्यक्तियों के घर के बाहर स्टीकर लगाए जाएंगे, जिससे लोगों को मालूम हो जाए कि स्वास्थ्य विभाग इनकी निगरानी कर रहा है। जिन लोगों को इनके बारे में मालूम नहीं है, वह स्टीकर देख कर उनके घर न जाएं। अब तक ट्रेवल हिस्ट्री वाले करीब एक हजार लोगों की सूची मिली है। इनमें से 960 ऑन रिकॉर्ड दर्ज है। सोमवार तक कुल 565 लोगों को ट्रेस करते हुए मॉनिटिरिंग में रखा गया है।

सात दिन बाद विदेश से आए लोगों को किया गया फोन

गाजियाबाद : कोरोना संदिग्ध लोगों की हेल्प के लिए एमएमजी अस्पताल में बनाया गया कंट्रोल रूम खुद ही हेल्प लैस हो चला है। दिए गए फोन नंबरों पर विदेश से आए लोग हेल्प के लिए फोन करते रहते हैं और वहां पोस्ट अफसर और कर्मचारी घर जाने की बात तो दूर फोन पर काउंसलिंग तक करने की फुर्सत नहीं है। कौशांबी स्थित अंतरिक्ष ग्रीन हाउसिंग सोसायटी में 15 मार्च को कई देशों से लौटकर तीन लोग आए है। शासन स्तर से सूची मिलने पर विभाग को अलर्ट रहने के निर्देश है लेकिन वहां की आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव द्वारा सीएमओ एवं प्रशासन को सूचना दिए जाने पर भी कोई नहीं पहुंचा। सोमवार देर शाम को जब इस संबंध में जिला मलेरिया अधिकारी जी के मिश्रा से बात हुई उनके पास उक्त लोगों की सूची ही नही थी। उन्हें जब आवासीय पता दिया गया तो संबंधित लोगों के पास कंट्रोल रूम से फोन पहुंचा। उक्त विदेश से आए व्यक्ति ने फोन पर बताया कि वे स्वस्थ है और स्वास्थ्य विभाग की ओर से उनका फोन पर हाल चाल पूछा गया है। कंट्रोल रूम की देखरेख में लगे जी के मिश्रा का दावा है कि मंगलवार को सभी लोगों की काउंसलिंग के लिए रैपिड रेस्पांस टीम कौशांबी भेजी जाएगी।

EDITORIAL

The reign of Shivraj: On Chouhan's fourth term as CM

The Bharatiya Janata Party (BJP) leader, Shivraj Singh Chouhan, who was sworn in as the Chief Minister of Madhya Pradesh on Monday night, proved his majority in the Assembly on Tuesday. This is his fourth term as Chief Minister. After three consecutive terms, he had lost the election in 2018. He mustered the support of 112 MLAs for the trust vote which was hurriedly organised overnight and was missed by 92 Congress MLAs and two independents. Two BSP MLAs, one of the SP, and two independents who were earlier supporting the Congress government that collapsed last week, voted in favour of the trust vote. Mr. Chouhan has said his government's immediate focus would be in tackling the coronavirus crisis that is testing the capacity and will of the State. He has also asked all MLAs to leave for their constituencies and take the lead in managing the crisis. The downfall of the Congress government was engineered by the resignation of 22 of its MLAs. These and two more seats in the 230-strong State Assembly remain vacant. The actual strength of the government will be tested in and after the by-elections to these seats. It is a different question whether the Congress can regroup itself and challenge the government.

With the return of the BJP government in M.P., the political turn in the State in 2018 has been proven short-lived. The party had faced a setback in M.P., Rajasthan and Chhattisgarh where it lost power to the Congress before bouncing back in the 2019 Lok Sabha election. The Congress could not sustain its gains, and has now ended up losing a government. But it goes beyond that and shows the party as a weak challenger to the BJP. To begin with, the Congress victory was nebulous and narrow in M.P., and its fortunes were compromised by debilitating factionalism within. It cannot be a viable political alternative to the BJP unless it gets imaginative in building sustainable and strong social and class coalitions. In places where it has done so, the party has been effective in elections and governance, including in neighbouring Chhattisgarh. The exit of Jyotiraditya Scindia, who has since joined the BJP, could actually be used as an opportunity by the Congress to promote better rooted leaders from diverse social backgrounds, stepping beyond dilapidating feudal fortresses. The BJP in the State will also need to achieve a new equilibrium, now disrupted with the entry of Mr. Scindia. Mr. Chouhan has emerged as a strong leader, but there are others waiting in the wings too. The change of guard in M.P. will unsettle existing equations in both the parties, beyond State boundaries.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

लोनी में एक फैक्ट्री सील

गाजियाबाद : लोनी में प्रशासनिक अधिकारियों ने सोमवार को लॉक डाउन के उलंघन की सूचना पर रुप नगर औद्योगिक क्षेत्र में तीन फैक्ट्रियों पर छापेमारी की। जहां एक फैक्ट्री को सील किया गया साथ ही कर्मचारियों की संख्या अधिक होने पर दो फैक्ट्रियों को बंद करा दिया गया। वहीं दूसरी ओर खाद्य एंव रसद विभाग की टीम ने क्षेत्र में 16 दुकानों का निरीक्षण किया। उपजिलाधिकारी खालिद अंजुम ने बताया कि शासन द्वारा जिले में लॉक डाउन के आदेश किए गए है। इसके बावजूद रुप नगर औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्री संचालकों द्वारा चोरी छिपे कर्मचारियोंसे काम कराने की जानकारी मिली थी। उनके निर्देश पर तहसीलदार प्रकाश सिंह नगर पालिका कर्मचारी और पुलिस बल के साथ औद्योगिक क्षेत्र में पहुंचे।

चैत्र नवरात्र शुरू, 2 अप्रैल को रामनवमी

गाजियाबाद : भारतीय नववर्ष के प्रथम दिन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होने वाला वासंतिक नवरात्रि इस बार 25 मार्च को प्रारंभ हो गया है जो दो अप्रैल रामनवमी तक चलेगा। नवरात्रि व्रत पारन तीन अप्रैल को किया जाएगा। नवरात्रि इस बार नौ दिनों का होगा। मां पराम्बा का आगमन इस बार नौका पर और गमन हाथी पर हो रहा है, दोनों का फल शुभ है। कोरोना वायरस के कारण नवरात्र पर इस बार मंदिर बंद रहे। लोगों ने घरों में ही घट स्थापना कर पूजा अर्चना की। बुधवार को प्रथम दिन घट स्थापन के लिए प्रात काल का समय शुभ रहा। प्रात 5.58 से 09 बजे तक जो लोग कलश स्थापन न कर सकें, उन्होंने अभिजीत मुहूर्त सुबह 11.36 से 12.25 तक कलश स्थापना की। पहले नवरात्र में मां शैलपुत्री, दूसरे में ब्रह्मचारिणी पूजा, तीसरे दिन मां चंद्रघंटा, चौथे दिन मां कुष्मांडा, पांचवें दिन सरस्वती मां व स्कंदमाता, षष्ठी को मां कात्यायनी, सातवें दिन कालरात्रि, व सरस्वती मां, आठवें दिन मां महागौरी, दुर्गा अष्टमी की पूजा की जाती है। 2 अप्रैल को नवरात्रि पर नवमी हवन, नवरात्रि पारण किया जाएगा। बता दें कि हिन्दू पंचांग के अनुसार एक वर्ष में दो बार नवरात्रि मनाई जाती है, चैत्र नवरात्रि और शरद नवरात्रि। चैत्र नवरात्रि मां दुर्गा को समर्पित है।

एक अप्रैल को निकलेगी मां दुर्गा की झांकी

गाजियाबाद : दिल्ली गेट स्थित दुर्गा देवी मठ सिद्ध मंदिर में श्री दुर्गा देवी मठ मंदिर द्वारिकापुरी समिति की ओर से एक अप्रैल को मां दुर्गा की झांकी निकाली जाएगी। इस दौरान कोरोना से बचाव के लिए पूरी सावधानियां बरतने की व्यवस्था की गई है। मंदिर के महंत परमानंद गिरि ने बताया कि हर साल चैत्र के महीने के नवरात्रे आने वाले हैं। हर साल एक अप्रैल को मां दुर्गा की झांकी निकाली जाती है। इस साल भी झांकी निकालने के लिए अपर जिलाधिकारी से अनुमति ली गई है। महंत परमानंद गिरि ने कहा कि सभी भक्तों से अनुरोध किया गया है कि छोटे बश्चों को मंदिर परिसर में न लाएं और न ही उनके साथ झांकी में शामिल हों। एक अप्रैल को दोपहर एक बजे झांकी निकाली जाएगी। जो शहर में घूमकर मंदिर में आकर संपन्न होगी। मंदिर के गेट पर सैनिटाइजर रखवा दिया गया है। आने से पहले सभी भक्त हाथों को सैनिटाइज करेंगे।

बलिदान दिवस पर शहीद को दी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद : आनंद सेवा समिति की ओर से सोमवार को बलिदान दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समिति की अध यक्ष ममता सिंह ने बताया कि लॉक बंदी के कारण समिति के सदस्य एक साथ बलिदान दिवस पर श्रद्धांजिल नहीं दे सके। समिति कार्यालय पर उन्होंने वीर शहीद भगत ङ्क्षसह, राजगुरू और सुखदेव की प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर उनके नाम का दिया चलाया और दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज बड़ी समस्या से जूझ रहा है, लेकिन हमें वीरों को बलिदान को नहीं भूलना चाहिए। उन्हे हमेशा याद रखना चाहिए जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

लॉकडाउन के दौरान घर बैठकर सुविधाओं का लाभ लें : एसके गौतम

साहिबाबाद : yॉकडाउन के दौरान लोगों को घर बैठकर सुविधाएं मिलेंगी। लोगों को परेशान न होना पड़े इसके लिए नगर निगम मोहन नगर और वसुंधरा जोन में तैयारी पूरी कर ली गई है। नियमित तौर पर कूड़ा उठाने के लिए कर्मचारी पहुंचेंगे, सड़कों की सफाई करवाई जाएगी। लोगों को पानी भी समय पर मुहैया करवाया जाएगा। मंगलवार को नगर निगम वसुंधरा जोन कार्यालय पर जोनल प्रभारी एसके गौतम ने सभी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और लोगों को घर बैठकर आवश्यक सुविध् ााएं मुहैया कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान तय किया गया कि लॉकडाउन सफल हो, इसके लिए नगर निगम के कर्मचारी रोजाना सोसायटी में पहुंचकर कूड़ा उठाएंगे। सोसायटियों और कॉलोनियों में एक निश्चित स्थान पर लोग कूड़ा एकत्रित कर रख सकते हैं, वहां से निगम कर्मचारी कूड़ा उठा लेंगे। मोहन नगर जोनल प्रभारी एसके गौतम ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान जनता को घर बैठकर ही नगर निगम की सुविधाएं मिलेंगी। लोगों से अपील है कि वह घरों से बाहर न निकलें न ही जन संपर्क करें। बकाएदार बकाया संपति कर ऑनलाइन जमा करवाएं। नगर निगम वसुंध् ारा और मोहन नगर जोन में मंगलवार को दवा का छिड़काव कराया गया है।

इंदिरापुरम में सड़क व सेंट्रल वर्ज का कूड़ा उठाकर की सफाई

साहिबाबाद : इंदिरापुरम में डोर टू डोर कूड़ा इकट्ठा करने वाली कंपनी नेचर क्लीन इनवायरो सर्विस ने सड़कों और सेंट्रल वर्ज की सफाई का अभियान शुरू कर दिया है। सफाई के साथ अनाउंसमेंट के जरिए लोगों को कोरोना वायरस से बचने के उपाय भी बताए जा रहे हैं, जिससे लोग सावधानी बरतकर कोरोना वायरस से बच सकें। नेचर क्लीन इनवायरो सर्विस प्रा. लि. के डीजीएम अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार को इंदिरापुरम के काला पत्थर रोड व शुक्र चौक से मकनपुर होते हुए एनएच–नौ को जोडने वाली सड़क पर सफाई अभियान चलाया गया। मास्क, दस्ताने पहनकर सेंट्रल वर्ज व सड़क पर पड़ा कूड़ा उठाया गया। इस दौरान कूड़ा गाड़ी भी साथ रही। गाड़ी में लगे माइक से कंप्यूटरीकृत अनाउंसमेंट किया गया, जिसमें लोगों को बीमार लोगों से दूर रहें। समय समय पर साबुन या हैंडवॉश से हाथ ध् ाोएं। हाथ को बार बार आंक नाक व मुंह पर न लगाएं। खांसते या छींकते वक्त मुंह पर रुमाल रखें। बीमारी से बचने के लिए लोगों से अपने आसपास साफ सफाई रखने की भी अपील की गई। भीड़भाड़ में मास्क पहनकर खुद को संक्रमण से बचाएं। आगे भी यह अभियान जारी रहेगा, जिससे इंदिरापुरम को स्वश्छ व साफ बनाया जा सके। इस दौरान गौरव गुप्ता, अभिषेक, संजय, अभिनव व अन्य लोग मौजूद रहे।

Two more test positive for corona in UP, count rise to 35: Official

LUCKNOW: Two more persons have tested positive for coronavirus infection, taking the number of virus afflicted cases in the state to 35, but 11 of them have been cured, a top official said on Tuesday. "Two fresh cases, one each from Shamli and Noida, were found positive for coronavirus on Tuesday. The total number of cases have now reached 35," Principal Secretary (Medical and Health) Amit Mohan told reporters here. He said of the 35 cases , 11 infected people, however, have been cured and discharged from hospitals, bring the count down to 24. Those cured include seven from Agra, two from Ghaziabad and one each from Lucknow and Noida, said Amit Mohan, adding conditions of others, undergoing treatment, are stable. Elaborating on the arrangements in the UP hospitals to treat suspected cases, the officer said the state presently has 2,800 isolation beds and the number will soon be increased to over 11,000. "The chief minister has directed to start 200 beds each in 51 medical colleges, including the private and government ones.

Greater Noida ties up with ITC for deliveries

Greater Noida: The lockdown to check the spread of Covid-19 extended, the Greater Noida Industrial Development Authority (GNIDA) has engaged ITC to supply daily necessities to its residents from Wednesday. Only office-bearers of RWAs and AOAs are authorised to place orders. "Each society will share the list of items on a letterhead. Credentials will be verified and rationing of items will be done in keeping with the number of families. We are working with ITC executives," said an official involved in the process.

11 abandoned pets rescued in Ghaziabad

NOIDA: All doors have shut on Jenny, a nine-year-old labrador, who was rescued on Tuesday by an animal welfare organisation from Patwari village. Jenny was initially handed over to her walker Rajiv Yadav by her owner before he got admitted to a Greater Noida hospital after testing positive for Covid-19. And after Rajiv refused to keep the dog at home fearing spread of infection, members of People for Animals, Greater Noida, rescued her. The rescuers were promised a vacant sanitisation centre to house the dog in the morning, but refused in the afternoon. They have sanitised the dog and housed it in their shelter. "We reached out to the district administration, the chief veterinary officer, SPCA but nobody wanted to take the dog in, so we finally came back with it to our shelter and made separate and special arrangements for it. We have washed and sanitised it," Kaveri Bhardwaj, People for Animals, Greater Noida, said. In the morning, Noida Authority veterinarian Prem Chand had sanctioned a vacant sterilisation centre for the dog. But in the afternoon, he backed out, following a decision by GNIDA CEO Narendra Bhooshan.

All doors shut for 9-year-old dog as owner tests positive

NOIDA: All doors have shut on Jenny, a nine-year-old Labrador, who was rescued on Tuesday by an animal welfare organisation from Patwari village. Jenny was initially handed over to his walker Rajiv Yadav by it's owner before he got admitted to a Greater Noida hospital after testing positive for Covid-19. After Rajiv refused to keep the dog at home fearing spread of infection, members of People for Animals, Greater Noida, rescued her. The rescuers were promised a vacant sanitisation centre to house the dog in the morning, but refused in the afternoon.

In Noida too, you'll need curfew passes to move

Noida/Ghaziabad: The Gautam Budh Nagar administration will issue passes to those associated with essential services and have to leave homes during the lockdown period, a day after Delhi introduced a similar measure. The Noida police have provided a link on their website for the passes to be generated online. A resident who wants a pass issued has to upload personal information, such as name, address and contact number, along with a copy of his photo ID. Services that are exempt from the lockdown restrictions include telephone, Internet, data centre, network, IT and call centres. Apart from these, journalists and those associated with media will also be issued passes to commute. DCP (zone 1) Sankalp Sharma said they had asked IT firms to share a list of employees who would report to office every day. "The list will help us in verifying the applicants. The passes will be issued only after that," he said. The officer said as of now, only those with personal vehicles were being allowed to travel to other cities. "Those who have genuine reasons like buying grocery or medicines are allowed to commute in their personal vehicles without any pass. But they can be stopped and asked for the purpose of their travel," Sharma said. The district administration has decided to provide a month's ration free to daily wage labourers and is also exploring options to compensate auto drivers and rickshaw pullers for the loss they have been incurring. The Noida auto-rickshaw association had written to DM for relief. "We have set up a control room that will have an official each from the revenue, health, supply and police departments to monitor all kinds of queries and complaints. We have been monitoring the supply and stock of essential commodities on a daily basis," said BN Singh, the district magistrate. The Ghaziabad administration has listed four helpline numbers for residents to report suspected cases — 8826797248, 9910426347, 0120-2965798 and 0120-2965799. "Senior administrative and police officials will ensure full compliance of the lockdown. I have also written to the SSP to ensure that people and vehicles associated with essential services are not stopped. After verifying their credentials, police should allow them to pass," district magistrate Ajay Shankar Pandey said. Ghaziabad SSP Kalanidhi Naithani said he had ordered all SHOs to prepare a list of essential shops along with their phone numbers.

Doctors flooded with calls on Covid-19 symptoms

NOIDA/GHAZIABAD: From skin rash, diarrhoea to anxiety disorder, people suffering from all sorts of ailments are calling up doctors across the city and asking them whether these are symptoms of Covid-19. However, the number of patients visiting clinics has come down drastically. In Gautam Budh Nagar, though the number of patients has decreased in government hospitals and private clinics, general physicians are only dealing with fever flu cases. They are also receiving anxiety calls for palpitations, respiratory disorders and panic attacks from patients who suspect they have the novel coronavirus. "Many patients are calling to say they have palpitation and anxiety attack suspecting themselves of carrying coronavirus. We deal with them by apprising them about specific symptoms related to Covid-19 virus and treating their anxiety attacks. Though the number of patients have come down, patients for fever, cold are still coming," said Dr Ajay Agarwal from sector 62. But these are only for routine, long-term patients whose history the concerned general physician (GP) is aware of.

1,000 Ghaziabad families chant mantra to stop pandemic

GHAZIABAD: As people across the country stayed home on Sunday to observe the nationwide 'janta curfew', and blew conch shells and sounded the bells in large numbers exactly at 5pm, residents in several societies of Crossings Republik went a step ahead and chanted the 'Mahamrityunjaya Mantra' in chorus. The sacred utterance is believed to assure longevity, ward off the evil, and prevent calamities and untimely deaths, the residents said. At 4pm, they connected their phones or music systems with stereo speakers through Bluetooth and played the mantra across the residential blocks.

OPDs closed, patients flock to special clinics at government hospitals

NOIDA/GHAZIABAD: On the first day of the lockdown, with OPD services suspended at government hospitals in Ghaziabad and Noida, the fever clinics and emergency wards are being flooded with patients coming with "coronavirus like" symptoms. Some hospitals have even claimed that their medical staff has been subjected to harassment from paranoid patients. Till 2 pm on Monday, around 167 people turned up at the fever clinic in District Combined Hospital in Ghaziabad complaining of "coronavirus like" symptoms. Barring one suspected patient, all of them were suffering from seasonal cold and fever. On Saturday, there were 94 people at this centre which was set up last week. Similarly, at the MMG District Hospital, around 200 people came to seek medical advice. A patient suffering from stomach ache and his relatives created a ruckus and damaged the hospital's property inside the coronavirus helpdesk when the staff asked him to wait for his turn. They were later reported to the local police station. The motive of suspending the OPDs was this only.

चप्पे–चप्पे पर तैनात हुई पुलिस, सीमाओं पर भीड़, बस न मिलने पर पैदल चले लोग

साहिबाबाद : लॉकडाउन को लेकर सोमवार सुबह से ही ट्रांस हिंडन में पुलिस सतर्क दिखी। चप्पे–चप्पे पर पुलिस तैनात रही। दिल्ली की सीमाओं को सील कर दिया गया। अनावश्यक रुप से घरों से निकलने वाले लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। वाहनों का चालान काटा गया। रविवार को लॉकडाउन का आदेश आने के बाद से ही पुलिस ने अपनी तैयारियां कर लीं। सोमवार सुबह से ही सड़कों पर पुलिस दिखाई देने लगी। प्रमुख तिराहों–चौराहों पर बैरियर लगाकर पुलिस बल तैनात रहा। अनावश्यक रुप से घरों से निकले लोगों को वापस भेज दिया। दोपहर 12 बजे तक सड़कों पर अनावश्यक रुप से निकलने वालों की काफी संख्या रही। इस पर पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी। अनावश्यक रुप से निकलने वाले लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनके वाहनों का चालान शुरू किया। इसके बाद सड़कों पर अनावश्यक रुप से निकलने वालों की संख्या कम हुई लेकिन पूरी तरह से बंद नहीं हुआ।

पुलिस ने बंद कराईं दुकानें

लॉकडाउन के बावजूद ट्रांस हिंडन में कुछ स्थानों पर पान–सिगरेट, नाई व अन्य दुकान (जिन्हें खोलने की अनुमति नहीं) खुल गईं। क्षेत्र में गश्त कर रही पुलिस ने उन दुकानों के संचालकों को कड़ी फटकार लगाई। दुकान बंद कराई।

सीमाओं पर रही भीड़

यूपी गेट, महाराजपुर, अप्सरा, भोपुरा सीमा को पुलिस ने सुबह से ही सील कर दिया। इन सीमाओं पर अनुमति प्राप्त वाहनों को ही आने–जाने दिया गया। सीमाओं पर ऐसे लोग भी पहुंचे, जिन्हें घरों से नहीं निकलना था। उन लोगों की पुलिस वालों से काफी बहस भी हुई। इस कारण सीमाओं पर सुबह से शाम तक भीड़ लगी रही। पुलिस ने सिर्फ अनुमति प्राप्त वाहनों को ही आने जाने दिया। इस दौरान यूपी गेट पर कुछ वाहन चालक गलत दिशा में लिंक रोड से होकर गुजरे। बाद में पुलिस ने उन्हें भी रोक दिया। वहीं, यूपी गेट के पास दिल्ली पुलिस ने सीमा सील कर दी। दिल्ली में प्रवेश नहीं पाने वाले वाहनों की लंबी कतार यूपी की सीमा में लगी रही। प्रवेश नहीं मिलने पर वाहन चालक वापस लौटे।

अधिकारियों ने लिया जायजा

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने ट्रांस हिंडन में भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। कलानिधि नैथानी ने बताया कि अनावश्यक रुप से घरों से बाहर निकलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लॉकआउट के दौरान जारी निर्देशों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।

ट्रेन के साथ बसों का भी संचालन बंद

साहिबाबाद : लॉकडाउन होने के बाद पूरा दिल्ली एनसीआर पूरी तरह बंद हो गया है। लोगों के घरों से बाहर निकलने तक रोक है। ऐसे में सोमवार को बड़ी संख्या में लोग कौशांबी डिपो पर घर जाने के लिए पहुंचे। यहां पता चला कि ट्रेन के साथ बसों का भी संचालन बंद है। ऐसे में आसपास के जिलों के लोग पैदल ही घर की ओर चल दिए। वहीं, दूर के वापस लौट गए। औद्योगिक इकाईयां, संस्थान व अन्य काम बंद हो चुके हैं। ऐसे में लोगों को पास काम नहीं है। दिल्ली एनसीआर में रहने वाले बड़ी संख्या में लोग कारखानों में काम करते हैं। कमाई बंद होने के बाद उन्हें रोटी का संकट सता रहा है। ऐसे में लोग शहर लॉक डाउन होने के बाद भी अपने गांव जाने के लिए निकल पड़े। सभी ट्रेनें रद्द हैं। लोग बस डिपो पर पहुंचे। यहां पर बता चला कि 25 मार्च तक बसों का भी संचालन बंद है। ऐसे में बुलंद शहर, हापुड़, मेरठ व आसपास के जिलों के रहने वाले लोग पैदल ही अपने घर की ओर चल दिए। रास्ते में लोगों को ऑटो या अन्य सार्वजनिक वाहन भी नहीं मिले। वहीं, दूर जिलों के लोग वापस अपने कमरे पर लौट गए। कौशांबी बस डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी का कहना है कि कोरोना वायरस न फैले इसके लिए मुख्यालय के निर्देश पर जनता के हित में 25 मार्च तक सभी बसों का संचालन निरस्त कर दिया गया है। आपातकालीन स्थिति में केवल जिलाधिकारी या यूपी रोडवेज के मुख्यालय के आदेश पर ही बसों के संचालन किया जा सकता है। लॉकडाउन के बाद मेट्रो व ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया है।

निर्माणाधीन इकाईयों से मजदूरों को नहीं निकालेंगे बिल्डर

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के चलते लॉक डाउन घोषित होने के बाद अब विभिन्न निर्माणाधीन साइटों पर रह रहे मजदूरों को बिल्डर नहीं निकाल पाएंगे और उन्हें अपने घर जाने के लिए भी मजबूर नहीं करेंगे। बिल्डर लॉक डाउन जारी रहने तक उनकी खानपान की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेंगे। इस संबंध में जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने सभी बिल्डरों को निर्देश जारी कर दिए हैं। यदि किसी बिल्डर द्वारा मजदूरों को निर्माणाधीन साइट से निकाला गया या उसके खानपान में कोई कमी हुई तो संबंधित बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि वर्तमान में जिले में बड़ी संख्या में ऐसी निर्माणाधीन साइट हैं जहां विभिन्न प्रदेशों से आए मजदूर काम कर रहे हैं और वहीं निवास कर रहे हैं।

गाजियाबाद में हैं तीन आइसोलेशन वार्ड

गाजियाबाद : कोरोना संदिग्ध एवं पॉजिटिव केसों को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने तीन आइसोलेशन वार्ड बनाए हैं। इनमें जिला एमएमजी अस्पताल में दस बेड का एक आइसोलेशन वार्ड कोरोना संदिग्ध मरीजों के लिए बनाया है। इसमें प्रशिक्षित स्टाफ के साथ ही उपचार के लिए पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता है। स्टाफ तीन शिफ्टों में मरीजों की देखभाल कर रहा है। मरीजों के लिए जरूरी सुविधाओं के साथ ही खान–पान का इंतजाम किया गया है। वार्ड में टीवी लगाने की भी तैयारी की जा रही है। रोज अखबार भी मरीजों को उपलब्ध कराया जा रहा है। एमएमजी में दस बेड का आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। हाल ही में कारोबारी के बेटे का उपचार इसी वार्ड में रखकर किया गया और वह ठीक होकर घर पर है। सीएमओ एन के गुप्ता के मुताबिक संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल में आठ बेड का एक संदिग्ध मरीजों के लिए आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। इसके अलावा सौ बेड का एक आइसोलेशन वार्ड मेरठ रोड के कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज में बनाने की तैयारी की जा रही है। 35 बेड का आइसोलेशन वार्ड ईएसआई अस्पताल साहिबाबाद में बनाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। डीएम ने इस संबंध में केंद्रीय श्रम मंत्रालय को पत्र लिखा है। पंद्रह वार्ड का एक आइसोलेशन वार्ड संतोष मेडीकल कॉलेज में बनाने की तैयारी की जा रही है। मंगलवार को ही इस संबंध में सभी विभागों के अलावा प्राइवेट अस्पतालों के प्रबंधकों की बैठक हुई है। प्राइवेट अस्पताल सौ बेड और पचास वेंटिलेटर देने को सहमत हो गए है। वहीं, कोरोना संदिग्धों के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग आइसोलेशन वॉर्ड बढ़ाने और अन्य व्यवस्थाओं की तैयारी में जुट गया है। इसके चलते निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम संचालकों की बैठक बुलाई गई थी। जिसमें चार निजी अस्पताल प्रबंधनों ने लगभग 100 बेड और 50 वेंटिलेटर तुरंत मुहैया करवाने पर सहमति दी है।

लॉकडाउन के लिए पुलिस को करना पड़ा बल प्रयोग

गाजियाबाद : लॉकडाउन में बाधा बन रहे लोगों के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई जारी रही। हालांकि पहले दिन के मुकाबले पुलिस को कम मुकदमे दर्ज करने पड़े, लेकिन मंगलवार को पुलिस ने मौके से कुछ लोगों की गिरफ्तारियां भी कीं और चालान भी अधिक किए गए। इतना ही नहीं मसूरी क्षेत्र में पुलिस ने बल का प्रयोग कर लोगों को खदेड़ा। बड़ी संख्या में लोग थाना के पास व डासना स्टैंड पर खरीदारी व अन्य कारणों से इकट्ठे हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस के कहने पर लोग नहीं लौटे तो लाठी फटकार कर बल का प्रयोग करते हुए पुलिस ने भीड़ को तितर–बितर किया। एसएसपी ने बताया कि लॉकडाउन की अवधि तक जिले की सभी सीमाएं सील रहेंगी। बेवजह घर से निकलने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम – 2824416
आवास – 2820106
एडीएम (सिटी) – 2828411
एडीएम (प्रशासन) – 2827016
सिटी मजिस्ट्रेट – 2827365
आयकर विभाग– 2714144
पासपोर्ट कार्यालय– 2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी –2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–2854015
पुलिसअधी. यातायात–2829520
सीओ प्रथम– 2733070
सीओ द्वितीय – 2791769
सीओ एलआईयू– 2700925
सीओ लोनी– 3125539

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए – 2791114
जीडीए सचिव – 2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. – 2710754
सी.एम.एस. – 2730038
आपातकालीन – 2850124
कोलम्बिया एशिया –3989896
यशोदा अस्पताल–2750001–04
गणेश अस्पताल –4183900
संतोष अस्पताल –2741777
सर्वोदय अस्पताल –2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल 2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस) 2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

जीएम 2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम – 2734906
कोतवाली – 2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –2766898

पुलिस स्टेशन

एसएचओ इंदिरापुरम– –9643322921
एसएचओ खोड़ा– –9643322922
एसएचओ–साहिबाबाद– – 9643322923
एसएचओ लिंक रोड– –9643322924
कोतवाली – 2732088
सिहानी गेट – 2791627
कविनगर – 2711843
विजयनगर – 2740797
इंदिरापुरम – 2902858
लोनी – 2600097
अग्निशमन विभाग –2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी –131

नगर निगम

नगरायुक्त– 2790425,2713580

विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता – 2821025

पूछताछ

रेलवे कस्टमर –2797840, 139
रिजर्वेशन – 8888
रोडवेज इन्कवायरी –2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Phone No.: 0120-4561000

सब्जी और फल मंडी खुली रहने से रही राहत, सामान्य रहे दाम

गाजियाबाद : सब्जी और फल मंडी में सोमवार को दुकानें खुली रहीं। पूरे दिन भीड़भाड़ रही। सबसे अच्छी बात देखने को मिली कि शहर के लोग उतना ही सब्जी और फल खरीदते देखे गए, जितनी उन्हें तात्कालिक जरूरत थी। पूछने पर कई लोगों ने बताया कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने आश्वस्त कर दिया है। इस वजह वह सब्जी और फलों को ज्यादा मात्रा में नहीं खरीद रहे। किराना स्टोर और दूध की दुकानें भी खुली रहीं। उनमें सामान्य दिनों की तरह ही लोग खरीदारी करते दिखे। पुराना बस अड्डा के पास फल मंडी में विक्रेता शब्बीर ने बताया कि फलों की पूरी सप्लाई आ रही है। किसी फल के रेट में इजाफा नहीं है। उन्होंने बताया कि चीकू 40 से 60 रुपये किलो है। छोटा संतरा 40 से 50 रुपये किलो बिक रहा है।, जबकि बड़ा संतरा 70 रुपये किलो तक बेचा जा रहा है। ऐसे ही केले का दाम 60 रुपये दर्जन है। अंगूर 60 से 80 रुपये किलो बिक रहा है। वहीं सब्जी विक्रेता रमेश ने बताया कि सब्जियों के दाम भी नहीं बढ़े हैं। सब्जी की गाडियों को नहीं रोका जा रहा है, इसलिए भरपूर सप्लाई हो रही है। उन्होंने बताया कि मटर, टमाटर, मूली, खीरा, आलू, गोभी, बैंगन समेत अन्य सब्जियां पहले की तरह सामान्य रेटों पर ग्राहकों को बेची गईं।

कूड़ा उठाने वाली गाडियों से दिया जा रहा है कोरोना से बचने का संदेश

गाजियाबाद : महापौर ने कोरोना से बचाव के लिए नगर निगम की डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली गाडियों में बजने वाले स्वच्छता गाने के स्थान पर लाउडस्पीकर से कोरोना के प्रति जागरुक करने की पहल शुरू की है। लाउडस्पीकर से कोरोना से बचने के उपाय बताए जा रहे हैं। वहीं सोसायटियों को सैनिटाइज करने का काम तेज कर दिया गया है। महापौर आशा शर्मा ने घर बैठे सभी अधिकारियों के साथ बार–बार फोन पर वार्ता करती रहीं। उन्होंने सैनिटाइज करने के लिए शहर को बांटे गए पांचों जॉन के सफाई इंस्पेक्टरो से बातचीत की। उनसे शहर को सैनिटाइज करने के बारे में पूछा गया। सभी इंस्पेक्टरों को गंभीरता से सैनिटाइज करने के निर्देश दिए। महापौर ने सफाई कर्मचारियों को दी जा रही सुविधाओं को बारे में जानकारी ली। उन्होंने इंस्पेक्टरों से कहा कि कर्मचारियों को मिलने वाले साबुन, मास्क व सैनिटाइजर में कमी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वह इस मुश्किल की घड़ी में काम कर रहे हैं। उनकी सुविधाओं को ध्यान रखना जरूरी है। इसके अलावा महापौर ने शहरवासियों से अनुरोध किया है कि मास्क व सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें।

औद्योगिक क्षेत्रों में लॉकडाउन का पूर्ण पालन

गाजियाबाद : औद्योगिक क्षेत्रों में सोमवार को लॉकडाउन का पूर्ण पालन किया गया। दवा बनाने वाली कंपनियों को छोड़कर बाकी उद्योग बंद रहे। पूरे दिन औद्योगिक क्षेत्रों में सन्नाटा पसरा रहा। प्रदेश सरकार ने लॉकडाउन में उद्योगों को बंद करने का आदेश दिया है। उन्हीं इकाईयों को खोलने का छूट दी गई है, जिनमें दवा या खाद्य वस्तुओं का उत्पादन होता है। मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र में कुछ दवा कंपनियां हैं, जो खुली रहीं। इनके अलावा बाकी उद्योगिक इकाईयां बंद रहीं। बुलंदशहर औद्योगिक क्षेत्र, साउथ साइड औद्योगिक और गुलधर औद्योगिक क्षेत्र में भी सन्नाटा रहा। सामान्य दिनों में औद्योगिक क्षेत्रों में भारी वाहनों की आवाजाही ज्यादा रहती थी।

बैंकों में हुआ काम, कम ही खाताधारक लेन–देन को पहुंचे

गाजियाबाद : लॉकडाउन के दौरान सोमवार को बैंक खुले रहे। लेकिन उनमें लेन–देन के लिए कम खाताधारक आए। ज्यादातर बैंकों ने बाहर सुरक्षा गार्ड के पास सैनिटाइजर से हाथ सैनिटाइज कराने के बाद ही खाताधारकों को प्रवेश दिया। कुछ बैंकों ने बाहर ही लेन–देन संबंधी फॉर्म भरवाया, उसके बाद अंदर प्रवेश दिया। बैंक प्रबंधकों ने बताया कि बंद जगह पर ज्यादा देर किसी के ठहरने से कोरोना फैलने का खतरा ज्यादा हो सकता है। इस कारण बाहर फॉर्म भरवा कर प्रवेश दिया गया। जिले में 41 बैंक की 465 शाखाएं। सभी बैंकों की शाखाएं पूरे समय तो खुली रहीं। बैंकों में पहुंचे खाताधारकों से बात की गई तो

मालूम हुआ ज्यादातर ऑनलाइन बैंकिंग में करना नहीं जानते थे या फिर फ्रॉड के खतरे की वजह से उसमें विश्वास नहीं रखते। यही वजह रही कि बैंकों में बहुत कम लोग लेन–देन के लिए जाते हुए नजर आए। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए बैंकों में पूरी सावधानी बरती गई। बैंक के गेट पर ही सैनिटाइजर रखे गए हैं। जिनसे हाथ सैनिटाइज कराने के बाद ही खाताधारकों को अंदर भेजा गया। आरडीसी में एक बैंक ने सावधानी बरतते हुए धनराशि जमा करने और निकासी के फार्म बाहर सुरक्षा गार्ड के पास रखवा दिए। गार्ड ने पहले खाताधारकों के हाथ सैनिटाइज कराए और बाहर की फार्म जमा करके अंदर देकर आए। फिर धनराशि लेने और जमा करने की खाताधारक को अंदर भेजा गया। जिससे वह कम देर बैंक के अंदर रहे।

एटीएम खुले, भरा कैश

सभी बैंकों के 1100 एटीएम काम कर रहे हैं। बैंक के स्टाफ और सुरक्षा गार्डों ने पैसा निकालने आए लोगों को प्रेरित किया कि वह एटीएम से ही पैसा निकालें। बैंक अधिकारियों ने बताया कि विशेष निर्देश देकर सभी एटीएम में कैश भर दिया गया है। जिससे लोगों को परेशानी न हो।

वसुंधरा और इंदिरापुरम को लगातार मिलता रहेगा गंगाजल

साहिबाबाद : इंदिरापुरम और वसुंधरा में गंगाजल की आपूर्ति जारी रहेगी। हरिद्वार में होने वाला काम लॉकडाउन के चलते टाल दिया गया है। गंगनहर में पानी की आपूर्ति जारी रहे हैं। इससे लोगों के घरों में भी गंगाजल आपूर्ति होती रहेगी। उत्तराखंड के हरिद्वार में महाकुंभ 2021 होना है। इसके इसके लिए सिंचाई विभाग ने गंगनहर में पानी की आपूर्ति बंद कर काम घाट बनाने की योजना बनाई थी। इसके लिए 23 मार्च की रात से एक अप्रैल की रात 12 बजे तक गंगाजल की आपूर्ति बंद रखने का नोटिस जारी किया था। जीडीए के अधिशासी अभियंता एके चौधरी ने बताया

लॉकडाउन के चलते हरिद्वार में होने वाला काम टाला गया

कि हरिद्वार में भी लॉकडाउन है, जिससे हरिद्वार में होने वाला काम टाल दिया गया है। अब गंगनहर में पानी आता रहेगा। इससे प्रताप विहार स्थित गंगाजल प्लांट में भी पानी पहुंचेगा। बता दें कि इस प्लांट से नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों के साथ इंदिरापुरम वैशाली, वसुंधरा और कौशांबी व डेल्टा कालोनी के लोगों को गंगाजल की आपूर्ति की जाती है। अब इन इलाकों में पानी की आपूर्ति जारी रहेगी।

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने की सावधानी बरने की अपील

गाजियाबाद : कोरोना वायरस को लेकर गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने जिले के सभी बच्चों से घर से बाहर न निकलने और कोरोना से बचाव की सावधानी बरने की अपील की। अभिभावक संघ के अध्यक्ष विवेक त्यागी ने कहा कि बच्चे अपने घर, हॉस्टल या जहां भी रह रहे हैं वे घरों से बाहर न निकलें और लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करें। घर पर बैठकर ही पढ़ाई करें। ऑनलाइन कक्षाओं के लिए विभिन्न प्लेटफॉर्म की ओर से एक्सेस दिया जा रहा है। कोरोना वायरस के सक्रमण से बचने के लिए सभी को मिलकर लड़ाई लड़नी है और इस वायरस पर विजय प्राप्त करनी है।

शराब पीने से रोका तो परिवार के सामने गोली मारकर की आत्महत्या

गाजियाबाद : पत्नी द्वारा शराब पीने से रोकने पर कहासुनी के बाद युवक ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। घटना सोमवार तड़के ढाई बजे थाना सिहानी गेट क्षेत्र की है। हैरान करने वाली बात है कि युवक खुद को गोली मारने के लिए उठा तो मां ने उसे रोकने की कोशिश की। मगर युवक ने पूरे परिवार के सामने ही खुद को गोली मार ली। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसएचओ गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान अमित यादव के रूप में हुई है, जो राकेश मार्ग पर पत्नी पूनम, मां कलावती और 8–10 साल की बेटी व बेटे के साथ रहते थे। अमित मूलरूप से अलीगढ़ के निवासी थे। गाजियाबाद में उनकी दुकानें हैं, जिनसे किराए के रूप में होने वाली आय से वह घर का खर्च चलाते थे। पिता की मौत के बाद लाइसेंसी रिवाल्वर मां के नाम हो गई थी, लेकिन इसे अमित अपने पास रखते थे। एसएचओ के मुताबिक पूनम बच्चों संग गुरुग्राम स्थित अपने मायके गई थीं। रविवार को लॉकडाउन की बात सुन अमित गाड़ी से उन्हें लेने गए थे। परिवार से हुई बातचीत में पता चला कि जाते और आते समय अमित कार में शराब पी रहे थे। घर आकर भी शराब पी। पत्नी ने शराब पीने से रोका तो कहासुनी हुई और अमित यादव ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

मेरठ तिराहे पर पुलिस ने बनाया एंटी कोरोना कंट्रोल रूम

8826797248, 9910426374, 0120–2965798, 0120–2965799 नंबर किए गए जारी

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए जिले में जारी लॉकडाउन के बीच पुलिस ने मेरठ तिराहा पर एंटी कोरोना कंट्रोल रूम बनाया है। यह इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम है, जिससे जिला प्रशासन, नगर निगम, आपूर्ति विभाग व जीडीए समेत समस्त विभागों को जोड़ा गया है। लॉकडाउन के दौरान किसी भी तरह की समस्या के लिए इन नंबरों पर फोन किया जा सकता है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय के साथ इस कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने पहुंचे एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि कोरोना वायरस के दौरान लॉकडाउन के दौरान पब्लिक को किसी भी तरह की समस्या न हो। इसीलिए यह कंट्रोल रूम बनाया गया है। कंट्रोल रूम में साफ–सफाई से लेकर बिजली कटौती समेत अन्य सभी तरह की शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। कंट्रोल रूम कर्मियों के लिए भी साबुन, हैंडवॉश, सैनिटाइजर, मास्क व ग्लव्स मुहैय्या कराए गए हैं। एसएसपी के मुताबिक पुलिस–प्रशासन की कोशिश है कि जनता को तत्काल समाधान दिया जाए। एसएसपी ने मंगलवार को पुलिस लाइंस में वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी लगा दी। यानी पुलिसकर्मियों को रोकने के लिए दोनों गेट पर पुलिस की तैनाती की गई है। एसएसपी ने बताया कि आमजन की भांति पुलिसकर्मी भी बेवजह पुलिस लाइंस से बाहर नहीं निकल सकेंगे।

लॉकडाउन के चलते बीएस–4 वाहनों की रजिस्ट्रेशन अटके

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए आरटीओ कार्यालय में लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन संबंधित काम बंद कर दिए गए। इसके चलते आगामी 31 मार्च तक होने वाले भारत स्टेज (बीएस)–4 वाहनों का पंजीकरण अटक गया है। कई ऑटो कंपनियों के सैंकडों बीएस–4 शोरूम में खड़े हैं। लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण को देखते हुए वाहनों के इंजन में वर्ष 2018 में बीएस–4 इंजन का इस्तेमाल हुआ था। गत वर्ष ऑटो कंपनियों ने बीएस–6 इंजन के वाहन लांच किए, जिसके माध्यम से ईंधन का इस्तेमाल कम मात्रा में होगा और प्रदूषण भी कम होगा। नवंबर 2019 में परिवहन विभाग की ओर से सभी डीलर कंपनियों को बीएस–4 इंजन के सभी वाहनों को जल्द बेचने के निर्देश दिए गए।

आवश्यक सेवाओं के लिए लोग दिखाएं आइकार्ड, नहीं होगी परेशानी

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के चलते लॉक डाउन जारी होने के बाद आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों, अधिकारियों व कर्मचारियों को आवागमन में हो रही परेशानी के बाद जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने एसएसपी कलानिधि नैथानी को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि आवश्यक सेवाओं से जुड़े व्यक्ति यदि परिचय पत्र दिखाते हैं तो उन्हें रोका न जाए और उनका सहयोग किया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि आवश्यक सेवाओं में चिकित्सा, स्वास्थ एवं परिवार कल्याण, नगर विकास, आपात कालीन सेवाएं, ङ्क्षप्रट इलेक्ट्रानिक व सोशल मिडिया, चिकित्सा शिक्षा, खाद्य एवं रसद (फल, सब्जी, दूध, डेरी, किराना, पेयजल), आईटी संबंधित सेवाएं (टेलीफोन, इंटरनेट, डेटा सेंटर), पेट्रोल पंप, ऑयल एजेंसी, गृह एवं गोपन, कारागार प्रशासन एवं सशस्त्र बल, आपदा एवं राहत, राज्य संपत्ति विभाग, डाक सेवाएं, दवा की दुकान एंव निर्माण, चिकित्सा उपकरण इकाईयां, कार्मिक विभाग एवं जिला प्रशासन, सूचना जनसंपर्क एवं सूचना प्रौद्योगिकी, बैंक, एटीएम, बीमा कंपनियां, आवश्यक वस्तु एवं खाद्य सामग्री, थोक एवं फुटकर विक्रेता, ऊर्जा (बिजली कार्यालय, बिङ्क्षलग सेंटर), अग्नि शमन, सिविल डिफैंस, ई–कामर्स (खाद्य वस्तु होम डिलीवरी), पशु चिकित्सा एवं पशु आहार विक्रेताओं को शामिल किया गया है।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.